

राम ॥ राम नाम लो, भाग जगाओ ॥

॥ राम नाम लो, भाग जगाओ ॥

राम

राम

२८८
॥ पदराग मारु ॥

राम

राम

प्राणीयां काय तूं सुतो रे

राम

प्राणीयां काय तूं सुतो रे ॥ थारो करेनी घर को सूल ॥टेर॥

राम

Listen everybody, why you are sleeping in infatuation and illusion.

राम

राम

Hey human being, why are you sleeping in death angles false world of illusion?

राम

Better you make arrangements to reach the blissful home.

राम

आज घडी पल पोर मे रे ॥ ओ जुग जासी छाड ॥

राम

राम

सेण हे तुं तेरा सगळा रे ॥ करसी काडो काड ॥१॥

राम

राम

You will have to leave this world in a moment, in some minutes or in some hour.

राम

राम

Those who are your well-wishers right now at home. The same well-wisher will say,

राम

get him out of the house quickly, get him out quickly, when you leave this world,

राम

then in which house will you live? Therefore, without any delay, make

राम

arrangements to reach the blissful home.

राम

आठ पोर चोसट घडी रे ॥ काळ भंवे सिर तोय ॥

राम

रे मुख प्राणी मेरी सुण ॥ तो कूं सोच न कोय ॥२॥

राम

This death angle is circling above you 24 hours to take you out of your body. Hey

राम

राम

foolish human being, listen to me, in which house will you go to live after getting

राम

thrown out of this body? Worry about it, don't remain without worry.

राम

हाथ मसळ युंही जावसो रे ॥ लार चले कुछ नाय ॥

राम

राम

के सुखदेव जी सांभळो रे ॥ जनम गमावे काय ॥३॥

राम

राम

When one leaves the house, not a single living being or thing from the house will

राम

राम

go with him. You will be rubbing your hands alone. Satguru Sukhramji Maharaj

राम

says, listen all men and women, by this human body you can get the blissful home.

राम

why are you missing this opportunity?

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम